

चमकम्

Чамакам

Ануवाка 4

ऊ॒र्क्च॑ मे सू॒नृता॑ च मे प॒यश्च॑ मे र॒सश्च॑ मे घृ॒तं च॑ मे म॒धु च॑ मे स॒ग्धिश्च॑ मे
 स॒पी॒तिश्च॑ मे कृ॒षिश्च॑ मे वृ॒ष्टिश्च॑ मे जै॒त्रं च॑ म॒ औ॒द्भि॒द्यं च॑ मे र॒यिश्च॑ मे
 रा॒यश्च॑ मे पु॒ष्टं च॑ मे पु॒ष्टिश्च॑ मे वि॒भु च॑ मे प्र॒भु च॑ मे ॥८॥



ӯркча̎ ме сӯнрита̎ ча ме паящча ме расащча ме гхрита̎м ча̎ ме мадху̎ ча ме
 сагдхищча ме сапй̎тищча ме кри̎шищча̎ ме ври̎штищча ме джяитра̎м са ма
 аудбхидья̎м ча ме рай̎ищча̎ ме ра̎ящча ме пушта̎м ча̎ ме пушти̎щча ме ви̎бху
 ча̎ ме и пра̎бху ча̎ ме ॥ 8 ॥

Да наделит меня Господь пищей, молоком, сладкими соками, маслом и мёдом. Да буду я встречать повсюду доброжелательность и гостеприимство. Да сопутствует мне удача, чтобы я мог всегда вкушать пищу и пить в хорошей компании. Да буду я благословлён успехом в сельскохозяйственной деятельности, обильными и своевременными дождями, плодородными полями, а также зелёным богатством деревьев и растений на моей земле. Да обрету я золото и драгоценные камни. Да обрету я детей и родственников, наделяющих чувством безопасности и спокойствия. Да будет моё тело сильным и упитанным.

ऊ॒र्क्च॑ मे सू॒नृता॑ च मे प॒यश्च॑ मे र॒सश्च॑ मे



ӯркча̎ ме сӯнрита̎ ча ме паящча ме расащча ме

घृ॒तं च॑ मे म॒धु च॑ मे स॒ग्धिश्च॑ मे स॒पी॒तिश्च॑ मे



гхрита̎м ча̎ ме мадху̎ ча ме сагдхищча ме сапй̎тищча ме

कृषिश्च मे वृष्टिश्च मे जैत्रं च म औद्भिद्यं च मे



кришищча ме вриштищча ме джяитра̎м са ма̎ аудбхидья̎м ча ме

रयिश्च मे रायश्च मे पुष्टं च मे



райищча̎ ме ра̎ящча ме пушта̎м ча̎ ме

पुष्टिश्च मे विभु च मे प्रभु च मे



пуштищча ме вибху̎ ча̎ ме и пра̎бху̎ ча̎ ме

बहु च मे भूयश्च मे पूर्णं च मे पूर्णतरं च मेऽक्षितिश्च मे कूयवाश्च मेऽन्नं च
मेऽक्षुच्च मे व्रीहयश्च मे यवाश्च मे माषाश्च मे तिलाश्च मे मुद्गाश्च मे खल्वाश्च
मे गोधूमाश्च मे मसुराश्च मे प्रियंगवश्च मेऽणवश्च मे श्यामाकाश्च मे
नीवाराश्च मे ॥९॥



ба̎ху ча̎ ме бх̎у̎ящча̎ мс̎ п̎у̎р̎на̎м ча̎ ме п̎у̎р̎на̎та̎ра̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎и̎ти̎щча̎ ме̎
к̎у̎я̎वा̎щча̎ ме̎ н̎на̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎у̎чча̎ ме̎ в̎ри̎ха̎я̎щча̎ ме̎ я̎ва̎щча̎ ме̎ ма̎ша̎я̎щча̎ ме̎
ти̎ла̎я̎щча̎ ме̎ му̎д̎га̎я̎щча̎ ме̎ к̎ха̎ль̎ва̎я̎щча̎ ме̎ го̎д̎х̎у̎ма̎я̎щча̎ ме̎ ма̎су̎ра̎я̎щча̎ ме̎
при̎ян̎га̎ва̎щча̎ мс̎ на̎ва̎щча̎ ме̎ шы̎я̎ма̎ка̎я̎щча̎ ме̎ ни̎ва̎ра̎я̎щча̎ ме̎ ॥९॥

Да обрету я дар изобилия во всех видах зерновых, проса и кукурузы. Да будет мой запас пищи и зерна неистощимым. Да не испытаю я никогда голод от недостатка пищи. Да буду я наделён рисом, ячменём, различными видами гороха, просом, пшеницей, кунжутом, касторовыми семенами и дикими лесными злаками в изобилии.

बहु च मे भूयश्च मे पूर्णं च मे



ба̎ху ча̎ ме̎ бх̎у̎я̎щча̎ мс̎ п̎у̎р̎на̎м ча̎ ме̎

पूर्णतरं च मेऽक्षितिश्च मे



п̎у̎р̎на̎та̎ра̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎и̎ти̎щча̎ मे̎



कूयवाश्च मेऽन्नं च मेऽक्षुच्च मे

कूयवाश्च॑ मे न्ना॑म चा॒ मे क्षु॑च॒चा मे



व्रीहयश्च मे यवाश्च मे माषाश्च मे तिलाश्च मे

व्री॒हया॑श्च॒ मे य॒वा॑श्च॒ मे मा॒षा॑श्च॒ मे ति॒ला॑श्च॒ मे



मुद्राश्च मे खल्वाश्च मे गोधूमाश्च मे मसुराश्च मे

मु॒द्रा॑श्च॒ मे ख॒ल्वा॑श्च॒ मे गो॒धू॒मा॑श्च॒ मे म॒सुरा॑श्च॒ मे



प्रियंगवश्च मेऽणवश्च मे श्यामाकाश्च मे नीवाराश्च मे

प्री॒य॒ग॒वा॑श्च॒ मे ऽ॒ण॒वा॑श्च॒ मे श्या॒मा॒का॑श्च॒ मे नी॒वा॒रा॑श्च॒ मे